भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3875

12 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: काली मिर्च की खेती

3875. श्री उज्जवल रमण सिंहः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश के किसानों का लाभ बढ़ाने के लिए काली मिर्च की खेती के लिए किसानों को विशेष लाभ प्रदान करने का विचार कर रही है;

(ख) यदि हाँ, तो देश में ऐसे कितने राज्य हैं जहाँ वर्तमान में काली मिर्च की खेती सफलतापूर्वक की जा रही है;

(ग) क्या देश के विभिन्न राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में आधुनिक तकनीक के माध्यम से की जा रही काली मिर्च की खेती संतोषजनक है; और

(घ) क्या इसके कारण किसानों की आय में वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): देश में वर्ष 2014-15 से समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), केंद्रीय प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन बागवानी के समग्र विकास के उद्देश्य से किया जा रहा है। एमआईडीएच के अंतर्गत, देश में मिर्च उत्पादकों के लाभ के लिए कई विकास कार्यक्रम उपलब्ध हैं, इनमें विभिन्न घटकों, जैसे रोपण सामग्री का उत्पादन, क्षेत्र विस्तार, आईपीएम/आईएनएम को प्रोत्साहित करना, एकीकृत फसलोपरांत प्रबंधन आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

उपर्युक्त के अलावा, सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी) प्रमुख काली मिर्च उत्पादक राज्यों में स्थित राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) और आईसीएआर संस्थानों के माध्यम से सीधे ही विशिष्ट कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करता है। काली मिर्च के लिए डीएएसडी द्वारा प्रारंभ किए गए प्रमुख कार्यक्रम निम्नानुसार हैं:

- काली मिर्च की उच्च उपज देने वाली किस्मों की केन्द्रक (न्युक्लियस) रोपण सामग्री का उत्पादन और वितरण
- काली मिर्च सहित मसालों की उच्च गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उच्च तकनीक वाली नर्सरियों की स्थापना
- काली मिर्च में जैविक उत्पादन तकनीक को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण स्थलों पर प्रदर्शन करना। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में काली मिर्च नर्सरियों का प्रमाणन
- काली मिर्च की किस्मों के प्रमाणीकरण के लिए वैज्ञानिक तकनीक विकसित करने हेतु आईसीएआर-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान को सहायता प्रदान करना

(ख): संपूर्ण देश के लगभग दस राज्यों में काली मिर्च की खेती आजीविका के एक सफल साधन के रूप में की जाती है, जिसका कृषि क्षेत्र लगभग 500 हेक्टेयर से 2 लाख हेक्टेयर तक विस्तृत है। काली मिर्च उगाने वाले प्रमुख राज्यों में कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, मेघालय, महाराष्ट्र, गोवा, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, नागालैंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पुदुचेरी, अरुणाचल प्रदेश और मिज़ोरम इत्यादि में भी सीमित मात्रा में काली मिर्च की खेती की जाती है।

(ग): देश में काली मिर्च की खेती उच्च उपज देने वाली किस्मों के प्रसार और फसल उत्पादन, एकीकृत कीट/रोग प्रबंधन आदि में आधुनिक तकनीकों को अपनाए जाने के कारण प्रगति कर रही है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक में, वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक की पाँच-वर्षीय अवधि के दौरान काली मिर्च की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल में 38% की वृद्धि हुई और उत्पादन में 36% की वृद्धि हुई। इसी प्रकार, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गोवा, मेघालय, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में काली मिर्च की खेती में वृद्धि हो रही है। क्षेत्र और उत्पादन दोनों में यह वृद्धि फसल प्रबंधन में नवीनतम उपलब्ध तकनीकों को अपनाए जाने के कारण प्राप्त हुई है। हालाँकि, उत्तर प्रदेश एक प्रमुख काली मिर्च उत्पादक राज्य नहीं है।

(घ): काली मिर्च किसानों की आय में वृद्धि करने में काली मिर्च की भूमिका को उजागर करने वाले कोई प्रामाणिक अध्ययन वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, यह स्पष्ट है कि काली मिर्च के क्षेत्र और उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ मौजूदा उच्च कीमतें किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि में योगदान दे रही हैं।

*****